Roll No. .....

Signature of Invigilator ……

Paper Code
BA 511

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination Dec. – 2017

B.A. (With Yoga Science) Semester: Fifth

संस्कृत

संस्कृत व्याकरण

Time: 3 Hours **Max. Marks: 75**

नोट : यह प्रश्नपत्र पचहत्तर (75) अंकों का है जो तीन (03) खंडों क, ख, तथा ग में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क

(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. **निम्न धातुओं के रूपों को लिखें – भू, गम्, लिख्, व्रज् के विधिलिङ् में रूपों को लिखिए।**
2. **व्याकरण में शतृ, शानच्, क्त्वा, तुमुन् आदि प्रत्ययों की आवश्यकता पर बल देते हुए शतृ, शानच्, तव्यत्, अनीयर् प्रत्ययों के पाँच-पाँच वाक्य संस्कृत में लिखिए।**
3. **सदाचारः, सत्संगतिः, योग-विज्ञानम्, पातञ्जलदर्शनम् उपर्युक्त में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखें।**
4. **प्राजापत्यः, दैत्यम्, औपगवः, गार्ग्यः, वैनतेयः उपर्युक्त रूपों को विभक्ति वचनानुसार सिद्ध करें।**
5. **निम्न वाक्यों का संस्कृत से हिन्दी भाषा में अनुवाद करें –**
   (i) **विद्यालयम् अभितः नदी प्रवहति।**
   (ii) **महर्षिपतञ्जिना रचितं योगदर्शनम्।**
   (iii) **स्वास्थ्य-रक्षणाय योगः आवश्यकः प्रतिदिनम्।**
   (iv) **योगश्चित्तवृत्तिनिरोधः।**
   (v) **स्वच्छता-कार्यक्रमस्य नेतृत्वं नरेन्द्रमोदिना कृतम्।**

खण्ड-ख

(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में छः (06) लघु-उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(4×5=20)**

1. **व्याकरण क्यों आवश्यक है? वैज्ञानिकता पर प्रकाश डालें।**
2. **निम्न रूपों को व्याकरण दृष्टि से सिद्ध करें – एधनीयम्, ग्लेयम्, लभ्यम्।**
3. **निम्न वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए –**
   (i) **रामः विद्यालयं गच्छतः।**
   (ii) **हरिद्वारतः गंगायाः प्रवहति।**

(iii) पतंजलिविश्वविद्यालयः हरिद्वारे भवति।

(iv) विद्यालये परितः वृक्षानि अस्ति।

(v) योगः विज्ञानं सन्ति।

4. निम्न रूपों को सिद्ध करें – दैव्यम्, गण्यम्, आश्वपतम्।

5. संस्कृत में अनुवाद करें –

(i) राम घर जाता है।

(ii) मैं विद्यालय जाऊँगा।

(iii) हरिद्वार से गंगासागर तक गंगा बहती है।

(iv) हिमालय भारत के उत्तर में है।

(v) मैं नित्यप्रति योग करता हूँ।

6. लिख् धातु के लृट् लकार के सभी रूपों को लिखें।

खण्ड–ग

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस(10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए एक अंक निर्धारित है। इस खण्ड के **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं। **(10×01=10)**

1. धातुयें कितने प्रकार की हैं?

(अ) एक (ब) दो

(स) चार (द) तीन

2. गम् धातु के विधिलिङ उत्तम पुरुष बहुवचन में रूप होता है.....

(अ) गच्छेम (ब) अगच्छत्

(स) गच्छत (द) गच्छे

3. लघुसिद्धान्तकौमुदी के लेखक हैं.....

(अ) वरदमुनि (ब) महर्षि पाणिनि

(स) वरदराजाचार्य (द) कपिल मुनि

4. गण कितने हैं.....

(अ) पाँच (ब) दस

(स) आठ (द) बारह

5. गम् धातु के लोट् लकार के प्रथम पुरुष बहुवचन में रूप बनता है.....

(अ) गच्छतु (ब) गच्छन्तु

(स) गच्छेयम् (द) गच्छानि

6. क्त्वा प्रत्यय का उदाहरण .....

(अ) पठित्वा (ब) पठनीयम्

(स) पठति (द) पठन्

7. लकार कितने होते हैं?

(अ) दस (ब) आठ

(स) पाँच (द) बारह

8. विभक्तियाँ कितनी हैं?

(अ) पाँच (ब) सात

(स) नौ (द) ग्यारह

9. अष्टाध्यायी के रचयिता कौन हैं?

(अ) वरदराजाचार्य (ब) कपिल मुनि

(स) पतंजलि (द) पाणिनि

10. अष्टाध्यायी में कितने सूत्र हैं?

(अ) 4000 (ब) 8000

(स) 3000 (द) 5000

----------x----------